सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र:2026-27

कक्षा:7 **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:2 रफूगर लड़की**

मौखिक

क) कौशल्या रफूगर की लड़की थी। वह भी अपने पिता की तरह कपड़ों पर रफू करने का कार्य करती थी।

(ख) महेंद्र राज दरबार में काव्य पाठ करने के लिए जा रहा था।

(ग) दुपट्टा लापरवाही से ओढ़ने के कारण फट गया था।

(घ) राजा कविता सुनकर गदगद हो गया।

(लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) बूढ़े रफूगर की बेटी ने महेंद्र के दुपट्टे को रफू करके उसकी मदद की।

(ख) कौशल्या ने दुपट्टे के दूसरे छोर से जरी के कुछ तार निकाले और फिर फटी किनारे को रफू करने का तरीका अपनाया।

(ग) महेंद्र ने अपनी कविता में निर्धन रफूगर लड़की कौशल्या का वर्णन किया क्योंकि यदि वह रफू नहीं करती तो महेंद्र संकोच के कारण राज दरबार में नहीं पहुँच पाता।

(घ) राजा ने कौशल्या और कवि महेंद्र को पुरस्कृत कर कई उपहार दिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-)

(क) यदि हम कौशल्या की जगह होते तो हम भी बिना रुपए के मदद करने का प्रयास करते। किसी मुसीबत में फँसे व्यक्ति की मदद करना एक इंसान का कर्तव्य होता है पैसा ही सब कुछ नहीं होता परोपकार की भावना भी बहुत अहम होती है।

(ख) हमें कहानी का वह हिस्सा सबसे अच्छा लगा, जिसमें कौशल्या बिना पैसे के उस युवक महेंद्र की सहायता करती है। वह एक मेहनती और परोपकारी लड़की थी जो अपने बाबा के बीमार होने पर स्वयं उस युवक का दुपट्टा फ्री में रफू करने को तैयार हो जाती है।

(ग) अगर कौशल्या को दरबार में नहीं बुलाया जाता तो भी उसे बुरा नहीं लगता क्योंकि उसने दुपट्टा सिर्फ उस युवक की सहायता के लिए रफू किया था, ना कि दरबार में जाकर कोई सम्मान पाने के लिए।

(घ) इस कहानी से हमें ईमानदारी, परिश्रम, परोपकार सत्य बोलना आदि मानवीय मूल्य सीखने को मिलते हैं। जैसा कि हम देखते हैं कि युवक ने दरबार में जाकर उस युवती के कार्य की सराहना की। राजा ने भी मेहनती व परोपकारी लड़की को सम्मान दिया।

पठित गद्यांश

(क) लड़की ने दुपट्टा इसलिए लिया क्योंकि उसके बाबा बीमार थे, अतः वह स्वयं कोशिश करके महेंद्र की सहायता करना चाहती थी।

(ख) रफू करने के लिए उसने जरी के तार दुपट्टे के दूसरे छोर से निकाले।

(ग) कौशल्या को दुपट्टा रफू करने के लिए सारी रात जाकर मेहनत करनी पड़ी।

(घ) महेंद्र ने जब दुपट्टा देखा तो वह उसे देखा ही रह गया क्योंकि वह इतनी सफाई से रफू किया गया था कि वह पहले जैसा हो गया था।